

This question paper contains 4 printed pages]

HPAS (Main)—2013

PHILOSOPHY

Paper II

(Problems of Philosophy-B)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 150

Note :— Attempt Five questions in all. All questions carry equal marks. Question No. 1 is compulsory.

कुल पाँच प्रश्न कीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है ।

1. Write short notes on any *three* of the following :

- (a) Concept of Rta
- (b) Svadharma and Lokasangraha
- (c) Distinction between right and duty.
- (d) Distinction between religion and theology.

P.T.O.

(e) Gender equality

(f) Picture theory of meaning.

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) ऋत की अवधारणा ।

(ब) स्वधर्म और लोकसंग्रह ।

(स) उचित और कर्तव्य में भेद ।

(द) धर्म और धर्मशास्त्र में भेद ।

(य) लिंग समानता ।

(र) अर्थ का चित्र सिद्धांत ।

2. What are the ethical implications of the law of Karma? Do you agree with them ?

कर्म-सिद्धांत के नैतिक निकष क्या हैं ? क्या आप उनसे सहमत हैं ?

3. Critically examine Varna and Ashrama Dharmas ?

Are they still relevant for Indian Society ?

वर्ण एवं आश्रम धर्मों की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

क्या वे आज भी भारतीय समाज के लिए प्रासंगिक हैं ?

4. Give critical comments on the controversy on farewell.

संकल्प-स्वातंत्र्य विवाद पर समीक्षात्मक टिप्पणी दीजिए ।

5. Explain J.S. Mill's theory of utilitarianism.

जे. एस. मिल के उपयोगितावाद की व्याख्या कीजिये ।

6. Do you think that historical approach to the study

of religion is sufficient enough to explain

religious realities ? Give reasons in support of your

answers.

क्या आप सोचते हैं कि धार्मिक अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि

धार्मिक यथार्थताओं की व्याख्या करने में सक्षम है ? अपने

उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए ।

7. State and examine Pantheism as a theory of God.

ईश्वर के सिद्धांत विशेष के रूप में सर्वेश्वरवाद की व्याख्या एवं परीक्षा कीजिए ।

8. What do you understand by scientific temper ? Is it necessary for human progress ?

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आप क्या समझते हैं ? क्या यह मानवीय प्रगति के लिए अनिवार्य है ?